University in News on 26 October 2024

HINDUSTAN PAGE 8

पीजी अध्यादेश, लेटरल एंट्री को अनुमोदन मिला

लखनऊ। एलयू की कार्य परिषद से पारित एक वर्षीय पीजी अध्यादेश और लेटरल एंट्री दिशा निर्देशों को राज्यपाल व विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने अनुमोदन प्रदान कर दिया है। एक वर्षीय पीजी अध्यादेश लागू करने वाला एलयू देश में पहला विवि है। इसमें प्रति सेमेस्टर 20 क्रेडिट और अधिक विकल्पों की सुविधा मिलेगी।

जलवायु परिवर्तन के हानिकारक प्रभाव बताए

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की संस्था विधिक सहायता केंद्र और सेव मदर एसोसिएशन की ओर से जलवायु परिवर्तन के महत्वपूर्ण संकट व चुनौतियों पर सूचनात्मक कार्यशाला हुई। इसकी शुरुआत विधिक सहायता केंद्र के अध्यक्ष डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी ने की। इसके बाद कार्यशाला को एडवोकेट जितेंद्र नारायण मिश्रा समेत अन्य ने संबोधित किया।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : एक वर्षीय परास्नातक अध्यादेश को राज्यपाल की मंजूरी

लखनऊ। लखनऊ विवि में आगामी सत्र से एक वर्षीय परास्नातक कोर्स की पढ़ाई शुरू होगी। इसके अध्यादेश को कार्यपरिषद की स्वीकृति के राज्यपाल का भी अनुमोदन मिल गया। राज्यपाल ने लेटरल प्रवेश को भी मंजूरी दे दी है। प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एक वर्षीय परास्नातक अध्यादेश को चार वर्षीय स्नातक पास करने वाले विद्यार्थियों के लिए तैयार किया गया है। प्रत्येक सेमेस्टर 20 क्रेडिट का होगा। लविवि एक वर्षीय परास्नातक कोर्स शुरू करने वाला देश का पहला है। (संवाद)

JAGRAN CITY PAGE III

एक वर्षीय पीजी और लेटरल एंट्री अध्यादेश को मंजूरी

लवि अगले साल से लेगा एक वर्षीय पीजी कोर्सों में दाखिले

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से भेजे गए एक साल के परास्नातक पाठ्यक्रम और लेटरल एंट्री अध्यादेश को राजभवन से मंजूरी मिल गई है। अब आगामी सत्र 2025-26 से विश्वविद्यालय एक साल के पीजी पाठ्यक्रम में दाखिले लेना शुरू करेगा। इसमें दाखिले का माध्यम प्रवेश परीक्षा अथवा मेरिट हो सकता है।

लखनऊ विश्वविद्यालय की डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि अभी तक दो साल का पीजी कोर्स चल रहा है। एक साल के पीजी कोर्स और विद्यार्थियों को लेटरल एंट्री की सुविधा देने के लिए इसका अध्यादेश तैयार करके राजभवन को भेजा गया था, जिसे मंजूरी मिल गई है। उन्होंने बताया कि वर्तमान सत्र से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम की पढ़ाई शुरू हुई है। इसमें जो उत्तीर्ण होगा, वो एक वर्षीय पीजी कोर्स में प्रवेश ले सकेंगे।

दूसरे विश्वविद्यालय व कालेजों के विद्यार्थियों को तीसरे-पांचवें में प्रवेश : लेटरल एंट्री अध्यादेश को भी मंजूरी मिल गई है। प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि इस साल सिर्फ सातवें सेमेस्टर वालों को प्रवेश दिए गए थे। अगले साल से स्नातक तीसरे, पांचवें, सातवें और परास्नातक तीसरे सेमेस्टर में भी दूसरे विश्वविद्यालय एवं कालेजों के छात्र-छात्राओं को प्रवेश दिया जाएगा। लवि के अलावा अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों के नैक ए प्लस व उससे ऊपर ग्रेड के बच्चों को प्रवेश की अनुमति होगी।

28 तक बढ़ाई समर्थ पोर्टल पर लागइन की तिथि

जासं• लखनऊ : डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) ने समर्थ पोर्टल पर लागिन को लेकर आ रही समस्याओं को देखते हुए इसकी तिथि 28 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कुमार ने शुक्रवार को इसकी सूचना जारी की।

एकेटीयू से सम्बद्ध कालेजों के छात्र-छात्राओं को 24 अक्टूबर तक समर्थ पोर्टल पर लागइन करना था, लेकिन इसको लेकर दिक्कतें आ रहीं। उन्होंने अपने कालेज में इससे अवगत कराया। कालेजों ने एकेटीयू से तिथि बढ़ाने का अनुरोध किया, जिसके बाद 28 अक्टूबर तक तिथि विस्तारित कर दी गई।

कालेजों को 29 तक अपलोड करने होंगे आवेदन : एकेटीयू सत्र 2023-24 की एम.टेक, एम.फार्म और एम.आर्क पाठ्यक्रम के रेगुलर व कैरीओवर विद्यार्थियों का डिजरटेशन व मौखिक परीक्षाएं आफलाइन माध्यम से नवंबर में कराएगा।

इन पाठ्यक्रमों के सत्र 2019-20, 2020-21, 2021-22 व 2022-23 में पंजीकृत विद्यार्थियों के डिजरटेशन का मूल्यांकन आर्डिनेंस के बिंदु संख्या 20 के अनुसार होगा। सभी अर्ह छात्र-छात्राओं के आवेदन संस्थान अपने निदेशक की ईआरपी लाग्इन से 29 अक्टूबर तक अनिवार्य रूप से अपलोड कर दें।

15 तक शोधार्थी तय करें पीएचडी का टापिक : डा. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग ने सत्र 2021-22 पीएच.डी पाठ्यक्रम के शोधार्थियों को शोध पर्यवेक्षकों से परामर्श कर टापिक तय करके उसकी सिनाप्सिस पूरी करके 15 नवंबर तक जमा करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद विभागीय शोध समिति की बैठक होगी। विभागाध्यक्ष डा. संजीव गुप्ता ने इसकी सूचना जारी की है।

i-NEXT PAGE 5

एलयू में एक साल के पीजी और मल्टीपल एंट्री को ग्रीन सिग्नल

लखनऊ यूनिवर्सिटी के अध्यादेश को मिली राजभवन की मंजूरी

i SPECIAL

LUCKNOW (25 Oct, inext): लखनऊ यूनिवर्सिटी की ओर से भेजे गए एक साल के पीजी कोर्स और मल्टीपल एंट्री अध्यादेश को राजभवन से मंजूरी मिल गई है. 2025-26 से यूनिवर्सिटी एक साल के पीजी कोर्स में एडमिशन लेना शुरू करेगा. इसमें एडमिशन का माध्यम प्रवेश परीक्षा अथवा मेरिट हो सकता है.

लखनऊ यूनिवर्सिटी अगले साल से लेगा एक वर्षीय पीजी कोर्सों में एडमिशन

अभी दो साल का है पीजी

लखनऊ यूनिवर्सिटी की डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि अभी दो साल का पीजी कोर्स चल रहा है. एक साल के पीजी कोर्स और स्टूडेंट्स को मल्टीपल एंट्री की सुविधा देने के लिए इसका अध्यादेश तैयार करके राजभवन को भेजा गया था, जिसे मंजूरी मिल गई है. उन्होंने बताया कि वर्तमान सत्र से चार वर्षीय यूजी कोर्स की पढ़ाई शुरू हुई है. इसमें जो पास होगा, वो एक वर्षीय पीजी कोर्स में एडमिशन ले सकेंगे. इसके अंतर्गत यदि सीटों से ज्यादा आवेदन आए तो एग्जाम अन्यथा मेरिट से एडमिशन लिए जाएंगे.

मल्टीपल एंट्री को भी मंजूरी

मल्टीपल एंट्री अध्यादेश को भी मंजूरी मिल गई है. प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि इस साल सिर्फ सातवें सेमेस्टर वालों को ही एडमिशन दिए गए थे. अब अगले साल से तीसरे व पांचवें सेमेस्टर में भी दूसरी यूनिवर्सिटी एवं कालेजों के स्टूडेंट्स को एडमिशन दिया जाएगा.

CONCEPT PIC

28 तक बढ़ाई समर्थ पोर्टल पर लागिन डेट

डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) ने समर्थ पोर्टल पर लागिन को लेकर आ रही समस्याओं को देखते हुए इसकी डेट 28 अक्टूबर तक बढ़ा दी है. परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कुमार ने इसकी सूचना जारी की है. दरअसल, एकेटीयू से संबद्ध कालेजों के स्टूडेंट्स को 24 अक्टूबर तक समर्थ पोर्टल पर लागिन करना था, लेकिन इसको लेकर दिक्कतें आ रही हैं. उन्होंने अपने कालेज में इस समस्या से अवगत कराया. कालेजों ने एकेटीयू से डेट बढ़ाने का अनुरोध किया, जिसके बाद 28 अक्टूबर तक डेट बढ़ाई गई है. परीक्षा नियंत्रक ने कहा है कि सभी स्टूडेंट्स को निर्धारित डेट तक समर्थ पोर्टल पर लागिन करना अनिवार्य है. अन्यथा परीक्षा फार्म भरने से वंचित रह जाएंगे, जिसकी जिम्मेदारी कालेज प्रशासन की होगी.

5 नवंबर तक भरे जा सकेंगे परीक्षा फार्म

नेशनल पीजी कालेज ने यूजी व पीजी कोर्सों के परीक्षा फार्म भरने की डेट 5 नवंबर तक बढ़ा दी है. अभी तक 24 अक्टूबर तक समय दिया गया था. प्रिंसिपल प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह ने इसकी सूचना जारी की है. उन्होंने बताया कि वेबसाइट http://exam.npgc.in के माध्यम से परीक्षा फार्म भरने की प्रक्रिया 7 अक्टूबर से शुरू हुई थी. स्टूडेंट्स बढ़ी हुई डेट तक बिना लेट फीस के परीक्षा फार्म भर सकते हैं. बैक पेपर और छूट प्राप्त परीक्षा फार्म संबंधित संकाय काउंटरों पर केवल आफलाइन जमा किए जाएंगे.

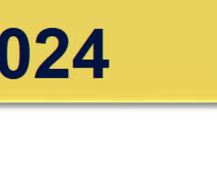

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लविवि में कार्यशाला का आयोजन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग, हैप्पी थिंकिंग प्रयोगशाला,परामर्श और मार्गदर्शन प्रकोष्ठ ने विभाग की स्मार्ट लैब में माइंडफुलनेस की तकनीक पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस सत्र का संचालन वसुंधरा शरद शुक्ला ने किया, जो इंटीग्रेटेड क्लिनिकल हिप्नोथेरेपी के क्षेत्र में काम करने वाली मनोवैज्ञानिक और हिप्नोथेरेपी की लेवल 1 शिक्षिका हैं। वह लविवि के मनोविज्ञान विभाग की एक गौरवशाली पूर्व छात्रा भी हैं। इस कार्यक्रम में विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया और इसे बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली। छात्र एक और सत्र के लिए उत्सुक थे, जिसमें स्व-इंजीनियरिंग और आत्म-सम्मोहन विषय होगा।

TOI PAGE 3

LU library to have spl section for books by faculty

Times News Network

Lucknow: The Tagore Library of Lucknow University will have a separate section for books written by varsity's faculty members.

"The initiative is a step towards recognising the vast body of knowledge produced by our university. It celebrates the hard work of our academic community while inspiring future scholars to contribute to the growing culture of research and excellence," said, member library committee and head, department of anthropology, Keya Pandey. Vice-chancellor Alok Kumar Rai said: "We are proud to launch this initiative, which not only acknowledges the academic accomplishments of our faculty but also encourages a culture of continuous learning and research. This dedicated section will be a valuable resource for the entire academic community." All heads, directors and coordinators of various departments have been requested to circulate this message among their departmental colleagues. Faculty members, who have authored books, are encouraged to submit copies of their work to the library.

The books will be featured in this special section to promote the faculty's work and contributions within the university.

THE PIONEER PAGE 2

Guv nod to LU's new one-year PG ordinance

Lucknow (PNS): The University of Lucknow has received approval from Governor Anandiben Patel for its new one-year PG ordinance and lateral entry guidelines, which were discussed in a meeting on July 31 last.

LU spokesperson Durgesh Srivastava said that the one-year PG programme would be a first in India, featuring 20 credits per semester and offering more elective options for students.

The new lateral entry guidelines will allow students to join undergraduate programmes in semesters 3, 5, and 7, as well as semester 3 of PG programmes. "Students from LU-affiliated colleges can transfer between institutions or to the university campus. Additionally, students from other accredited colleges with NAAC A+ ratings can also apply. They must be enrolled in a four-year undergraduate programme that complies with NEP 2020," he noted.

Srivastava emphasised that students wishing to transfer must have their previous credits recognised in the Academic Bank of Credits. "Students entering semester 7 need a CGPA of 7.5 or above through semester 6. The University Admission Cell will announce available seats during the admission process," he added.

LU Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai thanked the governor for supporting these initiatives. "This approval will help us implement the ordinances effectively and enhance the learning experience for our students," he said.

PIONEER PAGE 4

एलयू के एक वर्षीय पीजी अध्यादेश एवं लेटरल एंट्री को राजभवन से मिली मंजूरी

लखनऊ। लविवि के एक वर्षीय पीजी अध्यादेश एवं लेटरल एंट्री दिशा-निर्देशों को राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने अनुमोदन दे दिया है। मंजूरी मिलने के बाद लेटरल में छात्रों को यूजी के सेमेस्टर 3, सेमेस्टर 5 और सेमेस्टर 7 तथा पीजी कार्यक्रमों के सेमेस्टर 3 में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। वहीं विवि की तरफ से तैयार किये गये देश में पहले एक वर्षीय पीजी अध्यादेश के तहत प्रति सेमेस्टर 20 क्रेडिट का होगा। दूसरे इसमें वैकल्पिक अधिक शामिल किये जायेंगे। वहीं लेटरल में पाये छात्र छात्र एलयू से संबद्ध/एसोसिएटेड कॉलेजों से होंगे। उन्हें कॉलेज से कॉलेज या कॉलेज से विश्वविद्यालय परिसर में आवागमन की अनुमति होगी। इसमें विवि के अलावा नैक ए प्लस या ऊपर के ग्रेड वाले संस्थानों के छात्रों को प्रवेश लेने की अनुमति दी जायेगी। लखनऊ विश्वविद्यालय के अलावा अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों के छात्रों को प्रवेश लेने में सक्षम होने के लिए एनईपी 2020 के अनुरूप 4 वर्षीय यूजी कार्यक्रम में पंजीकृत होना चाहिए।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि में कार्यशाला आयोजित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग में हैप्पी थिंकिंग प्रयोगशाला और परामर्श और मार्गदर्शन प्रकोष्ठ ने विभाग की स्मार्ट लैब में माइंडफुलनेस की तकनीक पर कार्यशाला का आयोजन किया। सत्र का संचालन वसुंधरा शरद शुक्ला ने किया। जो इंटीग्रेटेड क्लिनिकल हिप्नोथेरेपी के क्षेत्र में काम करने वाली मनोवैज्ञानिक और हिप्नोथेरेपी की लेवल एक शिक्षिका हैं। कार्यक्रम में विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया। अतिथि का स्वागत विभागाध्यक्ष प्रो. मत्रायी प्रियदर्शिनी ने किया, जो कार्यक्रम की आयोजक भी थीं।

लखनऊ विश्वविद्यालय में एक वर्ष में करें परास्नातक

लविवि में एक वर्षीय पीजी अध्यादेश को मिली राज्यपाल की मंजूरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में अब एक वर्ष में परास्नातक (पोस्ट ग्रेजुएट) कर सकते हैं। लेटरल इंट्री और एक वर्षीय परास्नातक कोर्स को राज्यपाल ने मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही एक वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम लागू करने वाला लविवि देश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। नए कोर्स में प्रति सेमेस्टर 20 क्रेडिट निर्धारित किए गए हैं। इसके अलावा नई शिक्षा नीति के तहत विकल्पों की संख्या भी अधिक होगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय की विद्वत परिषद की 31 जुलाई को हुई बैठक में एक वर्षीय स्नातक कोर्स और लेटरल एंट्री दिशा-निर्देशों का प्रस्ताव पारित किया था। इस प्रस्ताव को कुलाधिपति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को भेजा गया था। दोनों प्रस्तावों को राज्यपाल ने स्वीकृति प्रदान कर दी है।

▸▸ एक वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम वाला देश का पहला विवि बना लविवि

लेटरल इंट्री में क्या होगा खास

लविवि में संचालित होने जा रहे लेटरल इंट्री में छात्रों को यूजी के सेमेस्टर तीन, सेमेस्टर पांच और सेमेस्टर 7 और पीजी कार्यक्रमों के सेमेस्टर तीन में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। छात्र लविवि से संबद्ध कॉलेजों के भी हो सकते हैं। एक कॉलेज से दूसरे कॉलेज में छात्र होने की भी सुविधा दी जाएगी। लविवि के अलावा अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों के नैक डबल ए श्रेणी के उससे ऊपर के ग्रेड वाले छात्रों को प्रवेश लेने की अनुमति मिलेगी। पार्श्व प्रवेश चाहने वाले सभी छात्रों के क्रेडिट अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट पर अपलोड होने चाहिए। साथ ही पिछले संस्थान के क्रेडिट स्थानांतरित किए जाने चाहिए। सेमेस्टर सात में प्रवेश चाहने वाले छात्रों के पास सेमेस्टर छह तक सीजीपीए 7.5 और उससे अधिक होना चाहिए।

इंजीनियरिंग और सिविल सेवाओं के समन्वय पर संगोष्ठी आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी व तकनीकी संकाय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा इंजीनियरिंग और सिविल सेवाओं के समन्वय विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया| इसमें मुख्य वक्ता आईपीएस अधिकारी माधव उपाध्याय रहे। अपने वक्तव्य में उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि किस प्रकार से इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि वाले अभ्यर्थियों की सिविल सेवाओं में बढ़ती संख्या यह साबित करती है कि इंजीनियरिंग की शिक्षा हमें एक बेहतर सिविल सेवक बनने में सहायता कर सकती है। संगोष्ठी में 300 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। आयोजन डॉ हिमांशु पांडेय के मार्गदर्शन में प्लेसमेंट सेल के स्टूडेंट कोऑर्डिनेटर के द्वारा किया गया। अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रोफेसर एके सिंह ने मुख्य अतिथि को सम्मानित किया।

कार्यशाला का आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की संस्था विधिक सहायता केंद्र व सेव मदर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में जलवायु परिवर्तन के संकट व चुनौतियों पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. बी डी सिंह, विधिक सहायता केंद्र के अध्यक्ष डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी के नेतृत्व में आयोजन किया गया। एडवोकेट जितेंद्र नारायण मिश्रा ने जलवायु परिवर्तन के कारण तथा भूमि व समुद्र पर इससे होने वाले नुकसान के विषय में समझाया।